भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1914
11 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: कर्नाटक में मूंगफली के किसानों को सहायता

1914. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा कर्नाटक में मूंगफली किसानों, विशेषकर उडुपी, चिकमंगलूर, दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, शिमोगा, तुमकुर और मलनाड क्षेत्र के जिलों में बेहतर बाजार सुविधा प्रदान करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या हैं;
(ख) क्या सरकार के पास मूंगफली के तेल के निष्कर्षण के महत्त्व और निर्यात की इसकी क्षमता को देखते हुए, कर्नाटक में मूंगफली तेल निष्कर्षण इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा देने की कोई योजना है; और
(ग) राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक से मूंगफली तेल और अन्य मूंगफली आधारित उत्पादों की निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन -तिलहन (एनएमईओ-ओएस) को वर्ष 2024-25 से वर्ष 2030-31 तक सात वर्ष की अवधि में घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मंजूरी दे दी है। एनएमईओ-तिलहन का उद्देश्य मूंगफली सहित प्रमुख प्राथमिक तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाना है। कर्नाटक राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में एनएमईओ- तिलहन और चावल परती क्षेत्र को लक्षित करना - तिलहन (टीआरएफए-ओएस) कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2024-25 के दौरान एनएमईओ-ओएस और टीआरएफए-ओएस के तहत मूंगफली सहित विभिन्न तिलहन फसलों के लिए 1300 हेक्टेयर ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शन आयोजित किए गए, विवरण निम्नानुसार है:

- उडुपी में 50 हेक्टेयर, चिकमंगलूर में 125 हेक्टेयर, उत्तर कन्नड़ में 100 हेक्टेयर और तुमकुर में 125 हेक्टेयर में मूंगफली प्रदर्शन।
- चिकमंगलूर में 300 हेक्टेयर, शिमोगा में 100 हेक्टेयर और तुमकुर में 300 हेक्टेयर में सूरजमुखी का प्रदर्शन।
- तुमकुर में 200 हेक्टेयर अरंडी का प्रदर्शन।

(ख) एवं (ग): एनएमईओ- तिलहन मिशन में तिलहन क्लस्टरों में चयनित मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए इकाई की लागत का 1/3 अथवा 9.90 लाख रुपये प्रति इकाई (जो भी कम हो) की सब्सिडी के साथ तेल निष्कर्षण इकाइयों की स्थापना का प्रावधान है।

वर्ष 2023-24 के दौरान कर्नाटक में 3.73 लाख हेक्टेयर क्षेत्र मूंगफली के अंतर्गत था। एनएमईओ- तिलहन का उद्देश्य तिलहन में आत्मनिर्भरता के लिए क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि का समर्थन करना है।

*****